

5-4-21

परावर्णी यह है। वक्रात्मक उपो  
परावर्णी पर उपलब्ध प्रत्येकीय  
दूरवेषात का द्यावपुष्पे अवलोकन  
एव वदस पर मनन किया गया।  
अ. दावा वदसालपार इक्षण से  
जात विभाजन पुष्पक वाद वादी  
अन्तिम (रती) किया जाता है। (वर्ण)  
पुष्पक से लिखा जात अन्तिम परावर्णी  
किया गया। परावर्णी मध्य कृमाल  
से कम द्याव उन्निम फल है।